साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 121 | जौनपुर, शुक्रवार, 20 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा अध्यक्ष ध नखड़ के पास रोती हुई आईं महिला सांसद

नागालैंड ,(एजेंसी)। भाजपा सांसद फांगनोन कोन्याक ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ राज्यसभा सभापति के पास शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन पर संसद के बाहर भाजपा और कांग्रेस के एक साथ विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके बहुत करीब खड़े होकर उनके साथ दुर्व्यवहार करने और असुविधा पैदा करने का आरोप लगाया गया है। भाजपा की राज्यसभा सांसद फंगनोन कोन्याक ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी करीब आए। मुझे यह पसंद नहीं आया और उन्होंने चिल्लाना शुरू कर दिया। आज जो कुछ भी हुआ वह बहुत दुखद है, ऐसा नहीं होना चाहिए...मैंने सभापति से भी शिकायत की है। राज्यसभा में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी ने आज भाजपा के दो सांसदों को ध ाक्का दिया, जो अब अस्पताल में भर्ती हैं। राहुल गांधी के व्यवहार के लिए पूरी कांग्रेस को संसद और देश से माफी मांगनी चाहिए। संसद कोई कुश्ती का मैदान नहीं है। राहुल ने जिस तरह से 2 सांसदों को मारा है, अगर हम भी वैसे ही हाथ उठाते तो क्या होता। हमारे पास संख्या बल ज्यादा है। रिजिजू ने कहा कि जिस प्रकार श्रीमान राहुल गांधी ने दो सांसदों को मारा है, हमारे सांसदों में बहुत आक्रोश है। हम लोग भी अगर हाथ उठाते तो क्या हाल होता? हमारे पास संख्या (बल) है, हम डरपोक नहीं हैं। यदि हमारे लोग भी राहुल गांधी की तरह हाथ उठाने लग जाएंगे तो लोकतंत्र कैसे चलेगा? इसलिए पूरी कांग्रेस पार्टी को सदन से ही नहीं, बल्कि पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।

कश्मीर में हुई मुठभेड़ में मारे गये 5 आतंकी

कश्मीर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद पर कड़ा प्रहार जारी है। इस क्रम में कुलगाम जिले में आज सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह बताया कि बुधवार आधी रात के बाद शुरू किए गए अभियान में सुरक्षा बल के दो जवान भी घायल हो गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने बुधवार रात जिले के बेहिबाग इलाके के कद्देर गांव में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। इस बीच, खबर है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज जम्मू–कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में सितंबर और अक्टूबर में हुए विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार यह बैठक होगी। इस बैठक में जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना, अर्धसैनिक बल, जम्मू–कश्मीर प्रशासन, खुफिया एजेंसी और गृह मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी शामिल हो सकते हैं। सूत्रों ने बताया, ''गृह मंत्री जम्मू–कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेंगे। उन्हें केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) के मौजूदा हालात और सीमावर्ती इलाकों की स्थिति के बारे में जानकारी दी जाएगी ।विध ानसभा चुनाव होने के बाद यह शाह की पहली बैठक होगी। केंद्र सरकार द्वारा साल 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए।

भाजपा ने बाबा साहब के सपनों को वास्तविकता में बदला : सीएम योगी

लखनऊ,(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. भीमराव अंबेडकर से जुड़े मामलों पर विपक्ष और कांग्रेस को सख्त जवाब दिया। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए डॉ. आंबेडकर के विजन को साकार करने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। साथ सीएम योगी ने कांग्रेस और विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस बातें तो खूब करती है, लेकिन पिछड़े समुदायों को सशक्त बनाने में लगातार विफल रही है। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा ने बाबा साहेब डॉ. बीआर आंबेडकर के समानता के सपने को साकार करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार आरक्षण का विस्तार करने, शिक्षा और सरकारी नौकरियों में नए अवसर पैदा करने जैसी नीतियों को लागू कर दलित और पिछड़े वर्गों के सशक्तिकरण की दिशा में अहम योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की नीतियां डॉ. आंबेडकर के विचारों को केवल भाषणों में सीमित रखने के बजाय उन्हें जमीन पर लागू कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन ने न केवल पिछड़े समुदायों के लिए अधिक अवसर प्रदान किए, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में भी सफलता हासिल की है।

रक्षा क्षेत्र में भारत अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

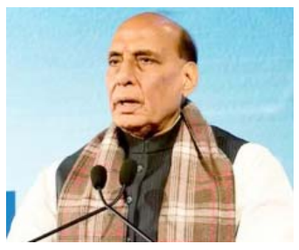

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत पहले आधुनिक हथियारों और तकनीकी क्षेत्र में पीछे था, लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद देश ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अभूतपूर्व गति से कदम बढ़ाए। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध तेजी से बदल रहा है, और हमें भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए उच्च तकनीकी कौशल अपनाने की जरूरत है। उन्होंने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से कहा कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों पर काम करें और देश की धरोहर को न भूलें। सिंह आईआईटी दिल्ली में इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के वार्षिक सम्मेलन में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई तकनीकें आने वाले समय में हर क्षेत्र में बड़ा प्रभाव डालेंगी। उनका कहना था कि भारत अभी इस तकनीकी विकास के शुरुआती चरण में है, लेकिन हमारा लक्ष्य इन तकनीकों पर काबू पाना है, ताकि भविष्य में इन्हें लोगों की भलाई के लिए इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा, श्पहले भारत आधुनिक हथियारों और तकनीकी मामलों में पीछे था, लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के रास्ते पर भारत ने तेजी से कदम बढ़ाए हैं।

मुंबई में गुरुद्वारा गिराए जाने से संबंधित मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया

मुंबई,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक गुरुद्वारा गिराए जाने के संबंध में ग्रेटर मुंबई नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना ध्कार्यवाही की मांग वाली याचिका पर नोटिस जारी किया । न्यायमूर्ति बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का भी निर्देश दिया और मामले में संबंधित प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता प्रवीण जीवन वालोदरा का प्रतिनिधित्व एडवोकेट सौम्या प्रियदर्शिनी ने किया। याचिकाकर्ता ने गुरुद्वारा गिराए जाने को लेकर ग्रेटर मुंबई नगर निगम (बीएमसी के तहत एक वैधानिक निकाय) के अधि ाकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की मांग की है , उन पर संपत्तियों को गिराए जाने पर रोक लगाने वाले शीर्ष अदालत के फैसले का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि कथित अवमाननाकर्ताओं ने याचिकाकर्ताओं को आश्रय देने के अधिकार का उल्लंघन किया है, जिसकी गारंटी उन्हें भारत के संविध ाान के अनुसार दी गई है। याचिकाकर्ता ने कहा कि कथित अवमाननाकर्ताओं द्वारा विध्वंस 15 अक्टूबर 2024 को हुआ था, जो 17 सितंबर 2024 और 1 अक्टूबर 2024 के अंतरिम आदेशों का पूर्ण उल्लंघन है, जिसमें शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट रूप से आदेश दिया था कि बिना अनुमति के देश भर में कहीं भी विध्वंस नहीं किया जाएगा। याचिका में कहा गया है, कथित अवमाननाकर्ताओं ने इस न्यायालय की अनुमति के बिना उक्त संरचना को ध्वस्त कर दिया है, और उक्त संरचना के सार्वजनिक सड़क पर होने का कारण बताया है, एक तथ्य जो याचिकाकर्ता को प्रदान किए गए किसी भी आंतरिक पत्राचार या याचिकाकर्ता के पास उपलब्ध अभिलेखों में दर्ज नहीं किया गया है।ष याचिकाकर्ता ने कहा कि वे गुरुद्वारे का प्रबंधन कर रहे थे और अपने परिवार के साथ वर्षों से शांतिपूर्वक उक्त संरचना के कमरे में रह रहे थे, जैसा कि दस्तावेजों से स्पष्ट है कि उनके पूर्ववर्तियों ने 1955 के आसपास ऐसा किया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता और उनके पूर्ववर्ती उक्त भूमि और संरचना के संबंध में संपत्ति कर का भुगतान कर रहे थे।

कांग्रेस ने हमेशा आंबेडकर का अपमान किया : जे. पी.नड्डा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा दोनों आमने– सामने हैं। गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस को घेरा। दोनों नेताओं ने कांग्रेस पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर झूठ बोलना बंद करे। कांग्रेस ने हमेशा डॉ. आंबेडकर को नजरअंदाज और अपमानित किया। जबकि भाजपा सरकार ने हमेशा बाबा साहेब की विरासत का सम्मान किया और कई सारे काम कराए। एक्स पर पोस्ट में नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और उसका सड़ा हुआ पारिस्थितकी तंत्र तीसरी बार लोकसभा चुनाव हार गया और

कई विधानसभा में उनका प्रदर्शन खराब रहा है। इसी साल नवंबर में भी कांग्रेस महाराष्ट्र में हार गई। कम से कम अब तो झूठ बोलना बंद करना चाहिए। क्योंकि आपका झूठ कभी काम नहीं करेगा। सत्य की हमेशा जीत होती है। जय भीम। नड्डा ने यह भी कहा कांग्रेस ने अमित शाह के बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया है। सत्य, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय में विश्वास करने वालों के सामने कांग्रेस और उसके सड़े हुए पारिस्थितिक तंत्र का असली चेहरा उजागर हो गया है। नड्डा ने कहा कि मैंने डॉ आंबेडकर के प्रति कांग्रेस की गहरी नफरत को दर्शाने के लिए कुछ तथ्य साझा किए हैं। पंडित नेहरू डॉ आंबेडकर से नफरत करते थे। यह बेपनाह नफरत थी। इसीलिए पंडित नेहरू ने डॉ. आंबेडकर को दो बार हराया। नेहरू खुशी से अपने विदेशी मित्रों को पत्र लिख रहे थे कि आंबेडकर अब कैबिनेट में नहीं हैं। नड्डा ने कहा कि दिल्ली में अलीपुर रोड स्थित वह घर जहां डॉ. आंबेडकर ने अंतिम सांस ली थी, वहां भाजपा ने राष्ट्रीय स्मारक बनवाया। जबकि आंबेडकर का अपमान करने वाली कांग्रेस ने कुछ भी नहीं किया। मुंबई में आंबेडकर के अंतिम संस्कार स्थल चौत्य भूमि के विकास के कांग्रेस ने झूठे वादे किए। लेकिन मोदी ने यहां पर 2015 में भूमि हस्तांतरण किया जाए। मोदी ने हाल ही में दो बार वहां प्रार्थना की। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने कहा था कि संविधान बनाने में आंबेडकर से ज्यादा नेहरू का योगदान था। उनका यह पोस्ट डिलीट कर दिया गया है। इससे साफ है कि कांग्रेस वास्तव में डॉ आंबेडकर के बारे में क्या सोचती है ।

जिनका मन विद्वेष से भरा है वो देश क्या चलाएंगे : अखिलेश यादव

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के बाद विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच बयानों का सिलसिला शुरू हो गया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अमित शाह की ओर से बाबा साहब पर दिये गए बयान को नकारात्मक मानसिकता का चरम बिंदु बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "जिनका मन 'विद्वेष' से भरा है, वो 'देश' क्या चलाएंगे। आज जो हुआ वो सिर्फ बाबासाहेब का ही नहीं, उनके दिये संविधान का भी अपमान है।

ये भाजपा की नकारात्मक मानसिकता का एक और चरम बिंदु है। देश ने आज जान लिया है कि भाजपाइयों के मन में बाबासाहेब को लेकर कितनी कटुता भरी है। भाजपाई बाबासाहेब के बनाये संविधान को अपना सबसे बड़ा विरोधी मानते हैं क्योंकि उनको लगता है कि वो जिस प्रकार गरीब, वंचित, दमित का शोषण करके, उनके ऊपर अपना प्रभुत्व कायम करना चाहते हैं, उनकी इस बद मंशा के आगे संविधान ढाल बनकर खड़ा है। घोर निंदनीय! घोर चिंतनीय! घोर आपत्तिजनक! जन–जन कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा।" इस मामले को लेकर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा, "बीआर अंबेडकर हमारे लिए पूजनीय हैं। असहज महसूस हुआ बीजेपी सांसद फंगनोन कोन्याक कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ सहयोगियों ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कल राज्यसभा में दिए गए भाषण की एक छोटी क्लिप निकाली है और उसे तोड़–मरोड़ कर वायरल कर दिया है। गृह मंत्री ने कल बहुत स्पष्ट रूप से बोला था कि बाबा साहेब अंबेडकर के जीवित रहते कांग्रेस पार्टी ने किस प्रकार उनका तिरस्कार और अपमान किया था। मैं कांग्रेस पार्टी की नौटंकी की निंदा करता हूं।" उल्लेखनीय है कि मंगलवार को राज्यसभा में संविध ाान के 75 साल पूरे होने पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था,

"आजकल अंबेडकर का नाम लेना एक फैशन बन गया है। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। सौ बार और नाम लीजिए, लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि आपके मन में उनके लिए क्या भावना है?" अमित शाह के इस बयान को लेकर बुधवार को सदन में हंगामा देखने को मिला। कांग्रेस पार्टी सहित तमाम विपक्ष के नेताओं ने अमित शाह पर बीआर अंबेडकर के अपमान का आरोप लगाते हुए माफी की मांग की है।

किसान आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट बोला–सीधे हमारे पास आएं प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने खानौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की चिकित्सा जांच नहीं कराने पर पंजाब सरकार को फटकार लगाई। पंजाब के अधि ाकारियों के माध्यम से किसान नेता द्वारा मुद्दे के समाधान की इच्छा जताए जाने के बाद न्यायालय ने कहा कि डल्लेवाल के ठीक होने पर अदालत उनसे बात करेगी। कोई भी किसानों को विरोध प्रदर्शन से डिगाने की कोशिश नहीं कर रहा है, केवल उनके नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि डल्लेवाल को कम से कम एक सप्ताह तक इलाज कराने के लिए राजी करें और अन्य लोग प्रदर्शन जारी रख सकते हैं। भारतीय किसान यूनियन (सिद्धूपुर) के प्रवक्ता गुरदीप सिंह चहल ने कहा कि गुरुवार को डल्लेवाल की तबीयत खराब होने पर भी वह

लगभग 10 मिनट तक बेहोश रहे, सरकार के सूत्रों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश ने राज्य पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है। हालाँकि, यह कोई नई बात नहीं है। पंजाब पुलिस के अधिकारी सीमा पर आंदोलनकारी किसानों के संपर्क में हैं। लेकिन डल्लेवाल दृढ़ हैं। वह कोई चिकित्सीय सहायता नहीं लेना चाहता। काफी समझाने के बाद वह कुछ दिन पहले अपनी चिकित्सकीय जांच कराने के लिए सहमत हुए थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब सरकार ने स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला को खनौरी बॉर्डर पर जाकर डल्लेवाल को मनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि, हमें उम्मीद नहीं है कि बहुत कुछ बदलने वाला है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश राज्य को बल प्रयोग न करने का निर्देश देने के बारे में है। अब हम बल प्रयोग नहीं कर सकते. हम जो कुछ कर सकते हैं।

जगदीप धनखड़ को पद से हटाने की मांग वाला विपक्ष का नोटिस खारिज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार हंगामा जारी है। इस बीच, विपक्ष को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस खारिज कर दिया गया है। गौरतलब है कि राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था। विपक्षी दलों ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के लिए अनुच्छेद 67बी के तहत नोटिस दिया था। ये नोटिस राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी को सौंपा गया था। देश में 72 साल के संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में राज्यसभा सभापति के खिलाफ कभी महाभियोग नहीं आया था। राज्यसभा के सभापति को हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 14 दिन पहले नोटिस

दिया जाना जरूरी होता है, जबकि संसद का शीतकालीन सत्र ही 20 दिसंबर तक चलना है। धनखड़ पर सदन में पक्षपातपूर्ण बर्ताव करने का आरोप लगाया था। साथ ही इस नोटिस पर विपक्ष की तरफ से 60 सांसदों ने साइन किए थे। हालांकि, अब विपक्ष के मंसूबों पर पानी फिर गया। सूत्रों की माने तो, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सभापति को हटाने के विपक्ष के महाभियोग नोटिस को खारिज कर दिया है। उपसभापति का कहना है कि विपक्ष का महाभियोग नोटिस तथ्यों से परे है, जिसका उद्देश्य प्रचार हासिल करना है। विपक्ष का नोटिस जानबूझकर महत्वहीन है, उपराष्ट्रपति के उच्च संवैधानिक पद का अपमान है। नोटिस को अनुचित, त्रुटिपूर्ण और मौजूदा उपराष्ट्रपति की प्रतिष्ठा को ध ूमिल करने के लिए जल्दबाजी में तैयार किया गया है।

केजरीवाल ने मुख्यमंत्रियों से अमित शाह की अंबेडकर पर टिप्पणी पर विचार करने का किया आग्रह

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को बिहार के सीएम नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर उनसे पूर्व कानून और न्याय मंत्री बीआर अंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कथित विवादास्पद बयान के प्रभाव पर विचार करने का आग्रह किया। केजरीवाल के पत्र शाह द्वारा बुधवार को राज्यसभा में की गई टिप्पणी के बाद लिखे गए, जिसमें आप नेता के अनुसार अंबेडकर की विरासत का अपमान किया गया है। नायडू को लिखे अपने पत्र में केजरीवाल ने संसद में गृह मंत्री के बयान पर अपनी चिंता व्यक्त की, जिसमें शाह ने कथित तौर पर कहा, ष्आजकल अंबेडकर–आंबेडकर कहना एक फैशन बन गया है। केजरीवाल ने कहा कि शाह की टिप्पणी न केवल अपमानजनक है, बल्कि बाबासाहेब और हमारे संविधान के प्रति भाजपा के दृष्टिकोण को भी प्रकट करती है। बाबासाहेब अंबेडकर को कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा श्डॉक्टर ऑफ लॉश की उपाधि से सम्मानित किया गया था, उन्होंने भारतीय संविधान की रचना की, और उन्होंने समाज के सबसे हाशिए पर पड़े वर्गों के लिए समान अधिकारों की वकालत की। भाजपा को उनके बारे में ऐसी टिप्पणी करने की हिम्मत कैसे हुई? दिल्ली के पूर्व सीएम ने आंध्र और बिहार के सीएम को लिखे अपने पत्र में सवाल उठाया। । केजरीवाल ने लिखा, इससे देश भर के लाखों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि माफी मांगने के बजाय अमित शाह ने अपने बयान का बचाव किया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक रूप से शाह की टिप्पणी का समर्थन किया, जिससे केजरीवाल के अनुसार स्थिति और भी खराब हो गई। केजरीवाल ने चेतावनी दी कि अंबेडकर की प्रशंसा करने वाले लोगों को यह महसूस हो रहा है कि वे भाजपा का समर्थन नहीं कर सकते । उन्होंने नायडू से इस मामले पर सावधानी से विचार करने का आग्रह करते हुए कहा, बाबासाहेब सिर्फ एक नेता नहीं हैं, वे इस देश की आत्मा हैं। भाजपा के इस बयान के बाद लोग आपसे इस मुद्दे पर भी गहराई से विचार करने की उम्मीद करते हैं। इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अंबेडकर पर उनकी टिप्पणी को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की । राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, संजय राउत, महुआ माझी और राम गोपाल यादव सहित कई सांसदों को शाह की टिप्पणी के विरोध में नीले कप गुमराह करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की ड़े पहने देखा गया। सांसदों ने माफी मांगने और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए मकर द्वार तक मार्च किया । यह विरोध शाह के पहले के बयान के बाद हुआ, जिसमें उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि अंबेडकर का नाम लेना एक ष्फैशनष बन गया है। अगर उन्होंने अंबेडकर की जगह भगवान का नाम इतनी बार लिया होता।

संपादकीय

दानव नहीं नशेबाज

सुप्रीम कोर्ट ने नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में संवेदनशील व्यवहार व मानवीय दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। इस मुहिम से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए अदालत ने दोटूक शब्दों में कहा कि नशे की लत के शिकारों का दानवीकरण करने के बजाय उनके उपचार व पुनर्वास को प्राथमिकता बनाया जाए। यह हकीकत है कि हाल ही के वर्षों में विभिन्न घातक नशीले पदार्थों का प्रयोग तेजी से बढ़ा है, लेकिन ऐसे लोगों के प्रति समाज में दुराग्रहपूर्ण नकारात्मकता होती है। समाज को ऐसे लोगों की पहचान संवेदनशील ढंग से करके, उन्हें इस लत से बचाने के लिये मनोवैज्ञानिक प्रयास करने चाहिए। निस्संदेह, कठोर व्यवहार करने से यह समस्या और जटिल हो जाती है। चिंता की बात यह है कि देश के तमाम इलाकों में नशे की दलदल के विस्तार की खबरें आ रही हैं। लेकिन उस अनुपात में सरकारों की तरफ से इस चुनौती के मुकाबले युद्धस्तर पर पहल होती नजर नहीं आ रही है। वहीं समाज की उदासीनता भी चिंता बढ़ाने वाली है। निस्संदेह, हमें नशे करने वालों को खतरनाक व्यक्ति के रूप में देखने के बजाय, समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना चाहिए। समाज के कठोर व तिरस्कारपूर्ण व्यवहार के चलते नशे के शिकार लोग और गहरी दलदल में उतरते चले जाते हैं। यदि हम इन युवाओं में नशे की दलदल से निकलने इच्छाशक्ति पैदा करें तो नशे के खिलाफ हमारी जंग कामयाब हो सकती है। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि उनके प्रति नकारात्मक ध ारणा व उपेक्षा से उपजे मनोवैज्ञानिक द्वंद्व से व्यक्ति गहरे नशे की ओर उन्मुख हो जाता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब हमने वर्ष 2047 तक नशामुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा है तो उसे पाने के लिये कारगर रणनीति अपनाने की भी जरूरत है। विशेषकर सामाजिक स्तर पर व्यापक व्यावहारिक पहल, जो जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव का वाहक बन सके। यह तार्किक है कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ को कहना पड़ा कि नशे की लत के शिकार लोगों को अपराधी की तरह देखना गलत है। निश्चित रूप से विभिन्न हितधारकों मसलन केंद्र व राज्य सरकारों, नागरिक समाजों, परिवारों व शैक्षणिक संस्थानों को संकट से निपटने के लिये खुलकर की जाने वाली चर्चाओं पर ध्यान देना चाहिए। इसके विपरीत यदि हम उन्हें अपराधियों की तरह देखते रहे तो उन्हें हम पतन के गर्त की ओर उन्मुख कर देंगे। हम स्वीकार करें कि देश के युवाओं के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। उन्हें करुणा और संवेदनशीलता की दृष्टि से देखे जाने की जरूरत है ताकि उन्हें अपनी स्थिति पर आत्ममंथन का मौका मिल सके। दरअसल, नशे के शिकार ये लोग इस नशे की नदी की छोटी मछलियां हैं। बड़ी मछलियां तो नशीली दवाओं के व्यापारी और तस्कर हैं। जो एक फलते–फूलते अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा हैं। जो कानून व पुलिस की गिरफ्त में आने से बचने के लिये धनबल से तमाम तरीके इजाद कर लेते हैं। इसे पंजाब के हालात के रूप में भी देखा जाना चाहिए। दरअसल, यह सीमा पार से चलाये जा रहे नशे के चक्रव्यूह में फंस रहा है। साल की शुरुआत में अत्यधिक नशे की डोज से मरने की घटनाओं से पंजाब हिल गया था। जरूरी है कि नशे के खिलाफ लड़ाई में युवाओं की माताओं व बहनों को शामिल किया जाए। परिवार का भावनात्मक संबल कई युवाओं को नशे की अंधी गलियों से बाहर निकालने में सहायक होगा। लेकिन नशे के खिलाफ अभियान चलाने के बड़े–बड़े दावे करने वाले तंत्र को बरनाला में नशे के खिलाफ बुलंद आवाज उठाने वाले एक सरपंच की हत्या पर आत्ममंथन करना चाहिए। सोचना होगा कि यदि समाज में नशे के खिलाफ उठने वाली आवाजों को संरक्षण न दिया गया तो लोग नशे के खिलाफ आवाज उठाने से डरने लगेंगे। निश्चित रूप से नशे के खिलाफ जन आंदोलन ही स्थिति को बदलने में सहायक होगा। साथ ही नशीले पदार्थों के सेवन के पीछे छिपे बहुआयामी कारकों पर भी मंथन की जरूरत है ताकि पता चले कि क्यों युवा भावनात्मक पलायन के कारण नशा करते हैं।

जिज्ञासा की यात्रा

मनुष्य के मस्तिष्क में कई प्रकार की प्रवृत्तियां जन्म लेकर पूरे जीवन काल तक सक्रिय रहती हैं। ऐसा माना गया है कि व्यक्ति के शांत मन में सकारात्मक सोच या कल्पना की ग्रंथि अधिक तीव्र होती है। किसी विषय के बारे में जानने या समझने की मानसिक स्थिति को हम सामान्य रूप में जिज्ञासा मानते हैं। दुनिया में जिस भी विषय पर चिंतन, सिद्धांत, आविष्कार आदि निरूपित किए गए, वे सभी जिज्ञासा की कोख की ही देन कही जा सकती है। व्यक्ति की किसी संदर्भ को गहराई से जानने की आतुरता जिज्ञासा में परिणत हो जाती है । संसार के लेखक, दार्शनिक, कवि, वैज्ञानिकों के मस्तिष्क में जब जिज्ञासा की तरंगों ने अपनी पहचान बनाई होगी, तभी समाज को विभिन्न कोटि के लेख, साहित्य, कविता, दर्शनशास्त्र, वैज्ञानिक आविष्कार आदि ने मूर्त रूप लिया होगा। एक प्रकार से कल्पना के प्रस्थान बिंदु को जिज्ञासा का उदगम स्थल कहा जा सकता है। ा जिज्ञासु प्रवृत्ति के व्यक्ति सदैव अपनी सक्रियता बोध के सहारे कुछ न कुछ जानने–सीखने की विधा में क्रियाशील रहते हैं। प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक प्लेटो के अध्ययन कक्ष में हमेशा विद्वानों का जमघट लगा रहता था जो प्लेटो से सदैव कुछ नया विचार ग्रहण करने के लिए तत्पर रहते थे। यह विचित्र है कि प्लेटो कभी अपने को ज्ञानी नहीं समझते थे और वे खुद सदा कुछ नया सोचने–विचारने में व्यस्त रहते थे। कभी–कभी तो वे छोटे बच्चों और युवकों से भी कुछ सीखने के लिए उनमें घुल–मिल जाते थे । प्लेटो की इस आदत पर उनके एक परम मित्र ने उनसे प्रश्न किया कि श आप इतने विख्यात दार्शनिक हैं, विश्व के प्रतिष्ठित तर्कशास्त्रियों में आपकी गणना होती है, फिर भी आप किसी भी बड़े या छोटे से गुण ग्रहण करने और कुछ नया सीखने के लिए हमेशा उत्सुक क्यों रहते हैं। आप तो दूसरों का स्वयं मार्गदर्शन करते हैं, फिर आपको सीखने या जानने की भला क्या जरूरत है। कहीं आप लोगों को खुश करने के लिए तो उनसे सीखने का दिखावा नहीं करते।श अपने मित्र के भोलेपन पर प्लेटो हंसे फिर उन्होंने कहा– श्मेरे मित्र, प्रत्येक व्यक्ति के पास कुछ न कुछ ऐसे उत्तम गुण हैं जो अन्य के पास नहीं होता। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति में दूसरे से सीखने की जिज्ञासा होनी चाहिए। जब तक व्यक्ति दूसरों से सीखने–समझने में झिझक या संकोच करेगा तब तक वह बहुत से अच्छे ज्ञान से वंचित ही रहेगा । जज्ञासा की उत्पति का स्रोत क्या है। कई चिंतकों का मानना है कि यह प्रवृत्ति ज्ञानकोश से उत्पन्न होती है । जैसा कि विदित हैं कि मनुष्य के लिए ज्ञान उसकी रीढ़ की हड्डी की तरह कार्य करता है, क्योंकि इसे मानव शरीर का तृतीय नेत्र भी कहा गया है। ज्ञान व्यक्ति को अंध ाकार से प्रकाश की ओर जब उन्मुख करता है तो उसमें कल्पना और जिज्ञासा जैसी प्रवृत्ति मूल रूप से प्रभावित करती है। यों कहें कि हमारी उत्कट जिज्ञासा ही ज्ञान का दर्पण तैयार करती है । जिज्ञासा सीखने की सतत प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण जन्मजात प्रवृत्तियों में से यह एक मुख्य है, जिसमें उम्र सीमा बाधक नहीं बनती है। मनोवैज्ञानिकों का कथन है कि जिज्ञासा व्यक्ति के आंतरिक स्वभाव के मनोभावों का वह समूह या उत्सुकता की वह अवस्था है, जिसमें मनुष्य किसी वस्तु या घटना को, जो उसके लिए अप्रत्यक्ष हो, जानने के लिए बेसब्र रहता है। किसी छविगृह में कोई प्रेरक चलचित्र के प्रदर्शन के बाद उसकी सकारात्मक चर्चा समाज में जब होने लगती है तो सामान्य दर्शक उस चलचित्र के भाव को जानने को उत्सुक हो जाते हैं और उनके कदम चलचित्र गृह की ओर बढ़ने लगते हैं ।

कैंसर के खिलाफ जंग में जगी उम्मीदें

डॉ. संजय

करीब दो साल से यूक्रेन से युद्ध में उलझे रूस से यह खबर मिलना हर किसी को विस्मित कर सकता है कि उसने कैंसर जैसे गंभीर मर्ज के खिलाफ एक टीका (वैक्सीन) विकसित कर लिया है। इसका ऐलान खुद रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर ने किया है। रूस के सरकारी मीडिया से मिली इस खबर के आरपार जाएं, तो सवाल उठ सकता है कि आखिर यह टीका कितना असरदार है। इसकी असली परीक्षा तभी होगी, जब बाकी दुनिया को इसके परीक्षण का मौका मिलेगा। लेकिन फिलहाल के दावे के मुताबिक वर्ष 2025 से यह टीका सभी रूसी नागरिकों के लिए मुफ्त में उपलब्ध ा हो जाएगा। यह देखते हुए कि भारत समेत पूरी दुनिया को लंबे अरसे तक तकरीबन लाइलाज मानी जाती रही और फिर काफी जटिल चिकित्सा के सहारे कुछ हद तक इससे मुक्ति मिलने लगी है, यहां पहला सवाल टीके की विश्वसनीयता का ही उठ सकता है। एक तरफ जहां हमारे देश में पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू हाल में अपनी पत्नी का भोजन बदलकर प्रभावी आयुर्वेदिक इलाज का दावा कर चुके हैं, लोग पूछ सकते हैं कि क्या रूसी टीका इतना भरोसेमंद होगा कि अगर वह यहां उपलब्ध हुआ, तो आंख मूंदकर लगवा लिया जाए। इस संदर्भ में एक उदाहरण देना प्रासंगिक होगा। कोविड–19 महामारी के तेज वैश्विक प्रसार के दौरान रूस ने वैक्सीन–स्पुतनिक वी का निर्माण किया था, तो खुद सबसे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यह टीका लगवाया था। हो सकता है कि इस बार भी पुतिन कुछ ऐसा ही करिश्मा करें और तब दुनिया इस पर यकीन करने लगे कि असाध्य कहलाने की श्रेणी में आने वाली कैंसर नामक बीमारी का आसान तोड़ आखिरकार मिल ही गया है। वैसे यहां उल्लेखनीय यह है कि एक शोध समाचार वेबसाइट– 'द साइंटिस्ट' के मुताबिक करीब डेढ़ दशक पहले न्यूयॉर्क स्थित एक बायोटेक कंपनी ने अप्रैल, 2008 में घोषणा कर दी थी कि उसे रूस में पहली चिकित्सकीय कैंसर वैक्सीन बनाने के लिए मंजूरी मिल गई है। इसे किसी देश के कैंसर रोकथाम नियामक द्वारा दी गई पहली मंजूरी माना गया था। हालांकि, बाद के दो दशकीय अंतराल में यह नहीं पता चला कि कैंसर टीके के विकास के काम का क्या हुआ। लेकिन इसी साल फरवरी, 2024 में मॉस्को फोरम ऑन फ्यूचर टेक्नोलॉजी प्रोग्राम के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने आश्वासन दिया था कि उनके वैज्ञानिक जल्दी ही दुनिया को कैंसर का टीका उपलब्ध करा देंगे। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि ये टीके रूस के बाहर कब से मिलेंगे और कैंसर के किन प्रकारों की रोकथाम करेंगे। जहां तक इस टीके के निर्माण की प्रक्रिया (बनावट) की बात है, तो यह एमआरएनए (यह एक अणु है जो डीएनए से विशिष्ट निर्देश प्राप्त करता है) किस्म की वैक्सीन है। असल में, इस किस्म के पारंपरिक टीके बनाने में बीमारी की रोकथाम के लिए उसी वायरस या मर्ज के रोगाणुओं का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे खुद वह बीमारी पैदा होती है। अंतर सिर्फ यह है कि ऐसा करते वक्त कैंसर कोशिकाओं की सतह से उन हानिरहित प्रोटीन को उठाकर अलग किया जाता है, जिन्हें एंटीजन के रूप में जाना जाता है। ये एंटीजन टीके के निर्माण की प्रक्रिया में चिकित्सकीय परीक्षण (क्लिनिकल ट्रायल) के दौरान इंसानी शरीर में प्रविष्ट कराए जाते हैं और तब इनके सहारे बीमारी के खिलाफ कारगर एंटीबॉडी विकसित करने हेतु शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित किया जाता है। एमआरएनए टीके में संदेशवाहक की भूमिका में आए आरएनए के एक छोटे टुकड़े का उपयोग किया जाता है, जिससे शरीर की कोशिकाओं को कैंसर कोशिकाओं से संबंधित एक विशिष्ट प्रोटीन का उत्पादन करने का निर्देश मिलता है। याद रहे कि कोविड महामारी से लड़ने के लिए इस्तेमाल में लाई गई वैक्सीन कोविशील्ड इसी किस्म का टीका था। वैसे, कैंसर से बचाव और रोकथाम की दिशा में टीका बनाने की कोशिश करने वाले देश के रूप में रूस अकेला नहीं है। ब्रिटेन और जर्मनी समेत कई अन्य देशों में बायोटेक कंपनियां कैंसर के खिलाफ कारगर दवाएं और टीके विकसित करने में जी–जान से लगी हुई हैं। जैसे ब्रिटिश सरकार जर्मनी की मशहूर फार्मा कंपनी बायोनटेक के साथ मिलकर कैंसर के उपचार के लिए वैक्सीन का क्लिनिकल ट्रायल कर रही है। उम्मीद है कि वर्ष 2030 तक करीब 10 हजार कैंसर मरीज लाभान्वित हो सकते हैं। उधर अमेरिका की मॉडर्ना और मर्क फार्मा कंपनी त्वचा कैंसर की एक प्रायोगिक वैक्सीन पर काम कर रही हैं, जिसके शुरुआती नतीजे सकारात्मक बताए जा रहे हैं। अध ययन से जुड़े दावों के मुताबिक इस टीके ने तीन साल के इलाज के बाद त्वचा कैंसर के एक घातक रूप दृ मेलेनोमा के कारण होने वाली मौतों की आशंका को घटाकर आधा कर दिया है। इन टीकों के अलावा छह अन्य कैंसर टीकों पर भी काम चल रहा है जो ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) की रोकथाम कर सकते हैं। ये टीके वायरस सर्विकल (गर्भाशय) कैंसर समेत कुछ अन्य प्रकार के कैंसर रोगों से बचाव कर सकते हैं। एक और उदाहरण कैंसर की एओएच1996 नामक दवा के मानव परीक्षण (इंसानी ट्रायल) का है, जो पिछले साल सितंबर, 2023 से अमेरिका में शुरू किया गया है। इस दवा का नाम 1996 में जन्मी लड़की आना ओलिविया हीली से प्रेरित है, जिसे न्यूरोब्लास्टोमा नाम का बच्चों को होने वाला कैंसर था और इसी से 2005 में नौ साल की उम्र में उसकी मौत हो गई थी। पेट, छाती और गले की हड्डियों में होने वाले कैंसर से बचाव और रोकथाम में मददगार इस दवा का नाम ओलिविया को श्रद्धांजलि के रूप में रखा गया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह दवा शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना ही कैंसर के ट्यूमर को जड़ से खत्म कर सकती है। कैंसर के खिलाफ रूसी टीके को भारत में बड़ी आस से देखने की बड़ी वजह इस देश का कैंसर की राजधानी बनते जाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुमानों के अनुसार, भारत में प्रत्येक 10 भारतीयों में से 1 को अपने पूरे जीवनकाल में कैंसर विकसित होने की आशंका है, जो एक गंभीर बात है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद– राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम का आकलन बताता है कि वर्ष 2022 में भारत में कैंसर के मामलों की संख्या 14 लाख से अधिक थी, जिसके अब जल्द ही वर्ष 2025 में बढ़कर 15.7 लाख हो जाने की आशंका है। वर्ष 2022 में कैंसर के जो नए मामले सामने आए थे, उनमें से 7.22 लाख महिलाओं में जबकि 6.91 लाख पुरुषों में कोई न कोई कैंसर पाया गया। भारत में 2022 में 9.16 लाख मरीजों की कैंसर से मौत हुई। ये आंकड़े भारत में कैंसर रोग की वैश्विक राजधानी साबित करते हैं। स्वास्थ्य जर्नलदृ द लैंसेट के शोधकर्ताओं ने पाया है कि हर साल तंबाकू के सेवन से भारत, चीन, ब्रिटेन, ब्राजील, रूस, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका में ही 13 लाख मौतें हो रही हैं। यह संख्या कुल कैंसर मौतों की आधी है। हालांकि इसका अकेला गंभीर पीड़ित भारत नहीं है। दुनिया में हर छठवीं मौत के लिए कैंसर को जिम्मेदार माना जाता है। इसमें अमीर–गरीब का फर्क भी नहीं है। इसी साल की शुरुआत में ब्रिटेन के 75 वर्षीय राजा चार्ल्स के कैंसरग्रस्त होने का पता चला है। ऐसे में, रूसी टीका भारत समेत पूरी दुनिया को अगर मिल सका तो इसके सहारे रूस की सॉफ्ट पावर में हुआ इजाफा हर किसी को उसका मुरीद बना सकता है।

भारी टैरिफ से वैश्विक व्यापार पर नकारात्मक असर

डॉ. श्याम

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीत चुके डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत से आयातित वस्तुओं पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का बयान देकर चेताया है। बता दें कि टैरिफ आयातित या निर्यातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला टैक्स है जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नीति का महत्वपूर्ण उपकरण होता है। टैरिफ का उद्देश्य व्यापार को नियंत्रित करना, घरेलू उद्योगों की सुरक्षा प्रदान करना और राजस्व पैदा करना होता है। विगत में ट्रम्प शासन के दौरान, चीन और अन्य व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए टैरिफ का उद्देश्य भी व्यापार असंतुलन को दूर करना, अमेरिकी उद्योगों की रक्षा और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देना था। बेशक इन टैरिफ का उद्देश्य अमेरिकी निर्माताओं और श्रमिकों को लाभ पहुंचाना रहा है, लेकिन इनका असर अमेरिकी उपभोक्ताओं, व्यवसायों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। मसलन, आयातित चीनी इलेक्ट्रॉनिक्स पर टैरिफ से उनकी कीमत बढ़ जाती है, जिससे उपभोक्ता घरेलू विकल्प खरीदने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। दरअसल, ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में लगाए कई टैरिफ अमेरिकी नागरिकों के लिए कर के रूप में कार्य करते थे। उनसे लागत बढ़ी और व्यवसायों ने इसे उपभोक्ताओं पर डाल दिया। हालांकि, कुछ घरेलू उद्योगों को अल्पावधि में लाभ हुआ, लेकिन यू. एस. अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव मिला–जुला रहा, जिसमें उपभोक्ताओं, व्यवसायों को महत्वपूर्ण लागतों का सामना करना पड़ा। टैरिफ के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें बढ़ गईं। पीटरसन इंस्टीट्यूट के अनुसार, चीनी आयात पर टैरिफ से औसत अमेरिकी परिवार को सालाना करीब 1,277 डॉलर अतिरिक्त खर्च करना पड़ा। इसके अलावा, अन्य देशों द्वारा कृषि क्षेत्र पर प्रतिशोधात्मक शुल्कों ने अमेरिकी निर्यातकों को और नुकसान पहुंचाया। इन शुल्कों ने वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को बाधित किया, जिससे कारोबार द्वारा निवेश या भर्ती में देरी के कारण आर्थिक अनिश्चितता पैदा हुई। अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने अल्पकालिक लाभ और चुनौतियों दोनों का सामना किया। कुछ उद्योगों जैसे स्टील, एल्यूमीनियम और सौर पैनल को विदेशी प्रतिस्पध र्ा में कमी के कारण अस्थायी लाभ मिला। मसलन, अमेरिकी इस्पात उद्योग को संक्षिप्त लाभ हुआ, लेकिन इससे अन्य उद्योगों को ऊंची कीमतों का सामना करना पड़ा, जिससे लागत बढ़ी और नौकरियों में कटौती हुई। आयातित घटकों पर निर्भर अमेरिकी निर्माता, जैसे ऑटो और तकनीकी कंपनियों, को भी ऊंची इनपुट लागतों से नुकसान हुआ, जिससे कीमतों में वृद्धि हुई। प्रतिशोधात्मक शुल्कों ने अमेरिकी किसानों, खासकर सोयाबीन, पोर्क और डेरी उत्पादकों को भी प्रभावित किया, क्योंकि चीन जैसे प्रमुख बाजारों ने अमेरिकी निर्यात पर शुल्क लगाया। इससे किसानों को नुकसान हुआ, और अमेरिकी सरकार ने इन नुकसानों की भरपाई के लिए अरबों की सब्सिडी प्रदान की, जिससे संघीय व्यय बढ़ा। ट्रम्प सरकार के टैरिफ ने व्यापार प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया, विशेष रूप से अमेरिका–चीन व्यापार में, जिसके चलते चीन ने जवाबी टैरिफ लगाए। इससे वैश्विक बाजारों में व्यवधान आया और 2018–2019 के दौरान जीडीपी वृद्धि धीमी हो गई। टैरिफ के चलते कुछ देशों ने अमेरिकी उत्पादों की खरीद बंद कर दी। चीन ने सोयाबीन जैसे सामानों के ब्राजील और यूरोपीय संघ से आयात बढ़ा दिया। चीन जैसे देशों ने टैरिफ के जवाब में अपनी मुद्राओं को कमजोर कर निर्यात लागतों को आंशिक ऑफसेट किया, जिससे वैश्विक आर्थिक तनाव बढ़ा। टैरिफ ने व्यवसायों को उत्पादन के लिए अमेरिका में लौटने या चीन से विविधता लाने को प्रेरित किया, लेकिन अधिकांश कंपनियों ने वियतनाम, मैक्सिको और भारत जैसे कम लागत वाले देशों में परिचालन स्थानांतरित कर दिया। इससे वैश्विक स्तर पर एकतरफा व्यापार कार्रवाइयों को बढ़ावा मिला। टैरिफ युद्धों ने वैश्विक व्यापार प्रणालियों की कमजोरियां उजागर कीं और अमेरिका–चीन तनाव बढ़ा दिया, दोनों इकोनॉमी में विघटन हुआ, जिसका वैश्विक व्यापार प्रतिस्पर्धा पर प्रभाव पड़ा। यदि पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प भविष्य में ब्रिक्स देशों पर टैरिफ बढ़ाते हैं, तो इन देशों के आर्थिक आकार और अमेरिकी व्यापारिक संबंधों में बहुत बड़ा आर्थिक और भू–राजनीतिक प्रभाव होगा। इससे वस्तुओं की कीमतें प्रभावित होंगी। ब्रिक्स देशों से आयातों पर टैरिफ, उपभोक्ता वस्त्र, कच्चे माल और घटकों की लागत बढ़ा देंगे। उदाहरण के लिए, चीनी विनिर्माण पर निर्भरता और ब्राजीलियाई कृषि उत्पादों पर टैरिफ अमेरिकी परिवारों के लिए कीमतें बढ़ा देंगे। इन उच्च लागतों से उपभोक्ता की क्रय शक्ति कम होगी, आय प्रभावित होगी और उपभोक्ता खर्च धीमा पड़ेगा, जो अमेरिकी जीडीपी का लगभग 70 प्रतिशत है। अमेरिकी उद्योगों को कच्चे माल और मध्यवर्ती वस्तुओं के आयात पर निर्भरता के कारण बढ़ी हुई लागतों का सामना करना पड़ेगा। विनिर्माण क्षेत्र, जो चीनी घटकों पर निर्भर है, और ऑटोमोटिव उद्योग, जो ब्राजील, भारत या दक्षिण अफ्रीका से स्टील और एल्यूमीनियम आयात करते हैं, उत्पादन लागत में वृद्धि का अनुभव करेंगे। वहीं भारत के संदर्भ में टैरिफ में वृद्धि से निर्यात–संचालित उद्योगों, विशेष रूप से कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। संभवतः भारत अपनी व्यापार साझेदारी में विविधता लाए और अमेरिकी वस्तुओं पर प्रतिकारात्मक कदम उठाए।

इंडिया गठबंधन की हालत सूत न कपास जुलाहों में लठ्ठम लठ जैसी

योगेंद्र योगी

सूत न कपास, जुलाहों में लठ्ठम लठ। इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों की हालत कुछ ऐसी हो गई है। भाजपा गठबंधन से मुकाबला करने में विफल रहे विपक्षी दल के नेता नेतृत्व की कलह से जूझ रहे हैं। भाजपा से बुरी तरह शिकस्त खाने और राजनीतिक धरातल पर हैसीयत को स्वीकार किए बगैर विपक्षी नेता गठबंधन के नेतृत्व के जरिए भविष्य का प्रधानमंत्री बनने का सपना पाले हुए हैं। इन दलों का आधार बेशक एक राज्य से ज्यादा नहीं हो, किन्तु देश को नेतृत्व देने की आपसी होड़ में पीछे नहीं है। विपक्षी दलों के पास भाजपा से मुकाबला करने के लिए कोई एजेंडा तक नहीं है। लोकसभा चुनाव और हाल ही हुए उपचुनावों में इंडिया गठबंधन के दल आपस में ही मुकाबला करते रहे। विपक्षी दलों का ख्वाब है कि जिसके हाथ में नेतृत्व की कमान होगी, उसी के हाथ में देश की बागडोर होगी। ठोस रणनीति के अभाव में यह दिन में ख्वाब देखने जैसा है। इंडिया गठबंध ान के दलों में आपस में ही नेतृत्व की होड़ मची हुई है। भाजपा के खिलाफ कोरी बयानबाजी से विपक्षी दलों के नेता बयानवीर साबित हो रहे हैं। लोकसभा और उससे पहले विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। विपक्षी दलों ने चुनाव जीतने के लालच में गठबंधन की धज्जियां उड़ाने में कसर बाकी नहीं रखी। गठबंधन की हालत उसे घोड़ागाड़ी जैसी हो गई जिसके घोड़े को हर घुडसवार अपने हिसाब से हांकना चाहता है। ऐसे में यह गठबंधन देश को नेतृत्व देने के मामले में आगे बढने के बजाए पीछे खिसकता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को चारों खाने चित्त कर दिया। इंडिया गठबंधन में नेतृत्व का मसला पहले भी कई बार उठ चुका है। गठबंधन का हर घटक दल नेतृत्व का दावा जताता रहा है। हास्यादपद यह है कि दावा जताने वाले अपने प्रभाव वाले राज्य में भी भाजपा को हराने में कामयाब नहीं हो सके। इस बार नेतृत्व की दुदंभी तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से बजाई गई है। ममता बनर्जी ने हालिया चुनावों और उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर की और कहा कि वह इसकी कमान संभालने को तैयार है। ममता ने हालिया हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक के खराब प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर किया है और संकेत दिया कि अगर मौका मिला तो वह इंडिया ब्लॉक की कमान संभालने के लिए तैयार है। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि वह बंगाल

की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है। अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। ममता के इस बयान के बाद अन्य विपक्षी दलों के नेताओं की अतृप्त इच्छा में उबाल आ गया। गठबंधन के दल के नेता अब नेतृत्व का दावा ठोक रहे हैं। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि ममता बनर्जी को ऐसा लगता है पर हमें ऐसा नहीं लगता। इस पर चर्चा करेंगे। उनके कहने से उनकी पार्टी चलती है। हम तो कांग्रेस के कहने से चलते हैं, वहीं कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि ममता जी बड़ी नेता हैं लेकिन राहुल गांधी के अलावा देश में कोई नेतृत्व करने की स्थिति में नहीं है। लेफ्ट नेता डी राजा ने कहा कि कांग्रेस को आत्मचिंतन करने की जरूरत है। हालात इंडिया ब्लॉक की मीटिंग की मांग करते हैं। कांग्रेस ने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन सहयोगियों को समायोजित नहीं किया। अगर कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक सहयोगियों की बात सुनी होती तो लोकसभा और हरियाणा–महाराष्ट्र में नतीजे अलग होते। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा कि हमें ममता बनर्जी की राय पता है। हम चाहते हैं कि ममता हमारे साथ रहें। हम सभी एक साथ हैं। अगर कोई मतभेद भी हैं तो वो छोटे मोटे हैं। हम कोलकाता जाकर ममता बनर्जी से बात करेंगे। सपा प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने कहा कि अगर ममता जी ने कोई इच्छा जाहिर की है तो इंडिया ब्लॉक नेता उस पर विचार करके उनका सहयोग लें। इससे इंडिया गठबंधन मजबूत होगा। नेतृत्व को लेकर मचे इस घमासान में लालू यादव की पार्टी कैसे पीछे रह सकती है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने भी ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन का नेता बनाने की मांग कर दी। लालू ने कहा कि कांग्रेस की आपत्ति का कोई मतलब नहीं है। हम ममता का समर्थन करेंगे। ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व दिया जाना चाहिए। लालू यादव का यह बयान कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि लालू यादव लंबे समय से कांग्रेस के पुराने साथी रहे हैं। लालू यादव की यह मांग कांग्रेस के लिए मुसीबत बन सकती है। गठबंधन में शामिल कुछ दल पहले से ही ममता बनर्जी को इंडिया गठबंध ान की कमान सौंपने की वकालत कर चुके हैं। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बीजेपी के खिलाफ विपक्षी गठबंधन के असली आर्किटेक्ट लालू प्रसाद यादव हैं। उनकी पहल पर ही पटना में इंडिया गठबंधन की पहली बैठक हुई थी। इस बैठक में ममता बनर्जी भी शामिल हुई थी। सभी अपने–अपने राज्यों में बीजेपी के खिलाफ लड़ाई में जुटे हुए हैं। अभी झारखंड में हमें सफलता मिली है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के खिलाफ ममता बनर्जी मजबूती से लड़ाई लड़ती हैं। अब 2025 में बिहार की बारी है। बीजेपी के खिलाफ हमारा गठबंधन पूरी तरह एकजुट है। गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन को नेतृत्व देने की रस्साकसी में जुटे विपक्षी दलों के नेताओं में लोकसभा चुनाव से पूर्व हुई बैठकों में घोषणा पत्र को लेकर एकराय कायम नहीं हो सकी। घटक दल चुनावों में सीटों के वितरण को लेकर भी मतभेद का शिकार रहे। इनकी आपसी फूट का फायदा भाजपा को मिला। भाजपा गठबंधन तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने में कामयाब रहा। ममता बनर्जी का यह कहना कि वे बंगाल से बाहर नहीं जा सकती, ऐसे में चुनाव के दौरान देशभर में रैलियां और सभाओं की जिम्मेदारी कैसे निभा पाएंगी। यदि गठबंधन के दल ममता को नेता मान भी लें तो फिर वही यक्ष प्रश्न सीटों के बटवारे और राष्ट्रीय स्तर पर घोषणा पत्र को लेकर फिर से खड़ा होगा। भाजपा विपक्षी गठबंधन पर मुस्लिम प्रेम और भ्रष्टाचार को लेकर हावी रही है। काफी हद तक भाजपा के लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव में सफलता पाने की भी यही प्रमुख वजह मानी जाती है। इसके विपरीत इंडिया गठबंधन के सदस्य इन दोनों मुद्दों पर या तो खामोश रहे या फिर बंटे हुए नजर आए। आश्चर्य यह है कि विपक्षी दलों ने लोकसभा और कुछ राज्यों में हुए ।

बाजपेयी के जन्मदिवस पर प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन'

'ब्यूरो रिपोर्ट–
जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशन में गुरुवार को कस्बा पाली के नोडल विद्यालय सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस (25 दिसम्बर) के उपलक्ष्य में 18 से 25 दिसम्बर तक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों के आयोजन के अंतर्गत तहसील स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के आयोजन से पूर्व कालेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य राजेश प्रकाश मिश्रा ने सर्वप्रथम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात मौजूद शिक्षकों एवं छात्रध्छात्राओं ने स्व0 वाजपेयी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। आपको बता दें कि भारत रत्न अटलबिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रध्छात्राओं के मध्य बाजपेयी जी के जीवन एवं उनकी प्रमुख कविताओं पर आधारित ष्एकल काव्य पाठष् प्रतियोगिता, अटल जी एवं सुशासन विषय पर निबंध प्रतियोगिता (1000 शब्द सीमा के अंतर्गत) साथ ही भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज सहित कस्बे के सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज,एवं पंत इण्टर मीडिएट कालेज के छात्रध्छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में विजयी प्रथमध्द्वितीयध् तृतीय स्थान प्राप्त छात्रध्छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज की छात्रा श्रुति बाजपेयी ने प्रथम,कल्याणी बाजपेयी ने द्वितीय एवं पंत इण्टर मीडिएट की छात्रा नम्रता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।इसी क्रम में भाषण प्रतियोगिता में भारतीय इण्टर कालेज की छात्रा लक्ष्मी बाजपेयी ने प्रथम, एवं पंत इण्टर मीडिएट कालेज की छात्रा नम्रता एवं हम्द बानो ने द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में भारतीय इण्टर कालेज की छात्रा प्रज्ञा ने प्रथम, रेहान ने द्वितीय एवं सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज के छात्र अचल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य ने विजयी घोषित सभी छात्रध्छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उक्त विद्यालयों के शिक्षक मौजूद रहे।

रोडवेज बस स्टेशन व नाका पर चेकिंग के दौरान डग्गामार दो बसों पर की गई कार्यवाही – आदित्य प्रकाश

अयोध्या। शुक्रवार को जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को सहायक प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने परिवहन विभाग मे यात्री कर अधिकारी पद पर तैनात राजेश कुमार के साथ कोतवाली नगर क्षेत्र के रोडवेज बस स्टेशन के आसपास तथा नाका बाईपास पर डग्गामार वाहनों पर शिकंजा कसा।इस दौरान उन्होंने दो डग्गामार बसों को अपने कब्जे में लिया।इस संबंध में जानकारी देते हुए सहायक प्रबंधक आदित्य प्रकाश ने बताया उन्हें बार–बार यह शिकायत मिल रही थी यहां से काफी संख्या में अवैध रूप से विभिन्न मार्गो की ओर डग्गामार वाहनों का संचालन हो रहा है। जहां एक और रोडवेज विभाग के राजस्व को काफी क्षति पहुंच रही थी वही इन डग्गामार वाहनों से दुर्घटना होने की भी संभावनाएं बड़ी हुई थी।क्योंकि विभिन्न मार्गों पर फर्राटे से दौड़ रहे डग्गामार वाहन परिवहन विभाग के मानक पर भी नहीं खरे उतर रहे हैं। जिसके चलते इनसे सड़क हादसों में बढ़ोतरी होने की संभावना रहती है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा रोडवेज बस स्टेशन के साथ–साथ शहर के कई इलाकों में यह वाहन खड़े रहते हैं जिसके चलते जाम लगने की भी संभावनाएं रहती हैं।सहायक प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने बताया कि जिला अधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रतिदिन परिवहन विभाग के मदद से इन वाहनों पर शिकंजा कसा जाएगा। बताते चले कि शहर के रोडवेज बस स्टेशन के सामने के अलावा गुलाब बाड़ी, गुदरी बाजार,नाका,देवकाली बाईपास,सहादतगंज,जेल के पीछे सहित कई ऐसे जगह पर इन डग्गामार वाहनों को आसानी से देखा जा सकता है।जिससे जहां एक तरफ रोडवेज विभाग को राजस्व की क्षति हो रही है।वही इन वाहनों से यात्रा कर रहे यात्रियों के जान से खिलवाड़ भी किया जा रहा है।

राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद भारत द्वारा कानपुर में विशाल कायस्थ समागम में भाग लेने के लिए जौनपुर टीम रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद भारत द्वारा कानपुर में विशाल कायस्थ समागम में भाग लेने के लिए आज जौनपुर सिटी स्टेशन से जिला अध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में दर्जनों लोग ट्रेन से रवाना हुए और काफी लोग चार पहिया वाहन से कानपुर रवाना हुए। जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय

कायस्थ महापरिषद ने कहा कि सामाजिक हित में राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद भारत द्वारा कानपुर में जो राष्ट्रीय महासंगम में देशभर से हजारों लोग शामिल होकर राष्ट्रीय एकता की हुंकार भरेंगे। प्रमुख रूप से कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव,अखिल भारतीय चित्रांश महासभा जौनपुर के जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव, कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय के जिला अध्यक्ष अजय वर्मा अज्जू, संगत पंगत राष्ट्रीय संगठन के वरिष्ठ नेता राजेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता संगत पंगत सन्तोष निगम, प्रदेश सचिव अनुपम श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष आर पी श्रीवास्तव राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार जी संदीप श्रीवास्तव पत्रकार आशीष श्रीवास्तव एडवोकेट आदि दर्जनों लोग थे।

इस समय दम तोड़ रही जिले में पूर्व एसएसपी रहे आशीष तिवारी की अनोखी पहल

कई जगहों पर लिखें पुलिस अधिकारियो के नंबर पर फरियादी करते थे अपनी फरियाद

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।जिले में पूर्व रहे एसएसपी आशीष तिवारी द्वारा एक सराहनीय पहल शुरु की गई थी।जिसका लाभ शहर वासियो के साथ साथ दूर दराज के लोगो को मिल रहा था।बताते चले उन्होंने शहर व दूर दराज के लोगो जिसमे खासकर उन फरियादियों जो मुख्यालय से दूर रहकर अपनी फरियाद पुलिस उच्चाधिकारियों से नहीं कर सकते थे,उनके लिए पूर्व एसएसपी रहे आशीष तिवारी ने जिले के सभी थाना क्षेत्रों में खासकर सार्वजनिक चौराहा,स्कूलों,पार्को के आसपास,कोचिंग,अस्पताल,सूनसान रास्तों पर थानों के बीट प्रभारी से लेकर पुलिस उच्च अधिकारियों,फायर विभाग तक के सीयूजी नंबर लिखाया गया था।जो इन जगहों पर दीवारों व दुकानों के दीवारों सहित अन्य जगहों पर अंकित किया गया था।उन्होंने यह पहल इसलिए शुरू किया था कि दूर दराज पर रह रहे जिन फरियादियों की शिकायत स्थानीय पुलिस कर्मियों द्वारा नहीं सुनी जा रही थी वह इस नंबर पर सीधे फोन कर संबंधित उच्च अधिकारियों को अपनी शिकायतें बता सकें।जिसके चलते उनके शिकायतों का आधे से अधिक निस्तारण भी फोन पर ही हो जाता था।परंतु अब पूर्व रहे एसएसपी आशीष तिवारी की यह अनोखी पहल दम तोड़ती हुई नजर आ रही है।क्योंकि उनके बाद इस सराहनीय पहल पर ना तो इससे पहले एसएसपी रहे मुनिराज ने ध्यान दिया और ना ही वर्तमान समय में एसएसपी राज करन नैय्यर ध्यान दे रहे हैं।आज भी वह नंबर कहीं–कहीं पर थोड़ी बहुत दिखाई दे रही है।जहां पर यह नंबर लिखे गए थे वहां के लोगों ने भी बताया कि यह पहल बहुत ही सराहनीय थी।क्योंकि हम सभी बिना भय के अपने मोबाइल या किसी के मोबाइल से उच्च अधिकारियों से आप फरियाद करते थे।लेकिन अब यह नंबर कई जगहों पर मिट चुका है।जिसके चलते हम सभी लोगों को अब अपनी समस्या को उच्च अधिकारियों को बताने के लिए जिला मुख्यालय तक आना पड़ता है।इससे समय व धन दोनों खर्च होता है।इन स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि उसे समय आधे से अधिक फरियादियों की शिकायत इसलिए थानों पर इस निराकरण हो जाता था क्योंकि उन्हें यह भय रहता था कहीं उनकी शिकायत उच्च अधिकारियों तक इस दीवार पर अंकित नंबरों पर के माध्यम से लोग न कर दें।

कोहरे व ठंड मे सावधानी बरते वाहन चालक : डा. आरपी सिंह

कोहरे में ओवरटेक करने से से बचे रोडवेज चालक – आदित्य प्रकाश

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।कोहरा व ठंड के समय बाइक, जीप, कार, रोडवेज बस, ट्रक व हल्के तथा भारी वाहनों को चलाते समय विशेष सावधानी बरतें।सभी वाहन चालकों से एआरटीओ प्रशासन डॉक्टर आरपी सिंह तथा सहायक प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने संयुक्त रूप से अपील किया है कि आने वाले दिनों में हल्के व भारी वाहन चालक विशेष सावधानी बढ़ाते हुए वाहन चलाएं।इन दोनों अधिकारियों ने बताया कि क्योंकि आने वाले दिनों में जहां एक ओर ठंड होने के चलते बाइक के साथ–साथ हल्के व भारी वाहनों को नियंत्रित कर पाना मुश्किल रहता है। वहीं कोहरे के दौरान कम दृष्टता के चलते भी वाहन चालकों को वाहन चलाने में काफी दिक्कतों की संभावनाएं बनी रहती हैं जिसके चलते सभी वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। बताया कि ठंडी के समय में सड़क यात्रा करने में कोहरा एक बड़ी समस्या साबित होता है,और दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।उन्होंने बताया कि कोहरे को धरातल पर बादल के समतुल्य मान सकते है।क्योंकि कोहरे के कारण दृश्यता बाधित होती है और कई बार अत्यधिक घना कोहरा होने के कारण दृश्यता कुछ मीटर ही रह जाती है।फिर भी कुछ सावधानियों बरत कर दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।कोहरे में यात्रा के दौरान बाइक, हल्के वाहन, बस, ट्रक सहित भारी वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें।देखा जाय तो समय ही बहुमूल्य है परन्तु जीवन अनमोल है।कोहरे में चलने की विवशता होने पर अपने वाहन को धीमी गति से चलायें।अपने वाहन की हेडलाईट श्लो बीमश पर रखें। श्हाई बीमश पर रखने पर हेडलाईट का प्रकाश कोहरे से वापस लौट कर दृश्यता को और भी कम कर

देता है, कोहरे में फाग लाईट का प्रयोग करें।वही अपने वाहन के आगे और पीछे के इंडिकेटर जलते बुझते (ब्लिंक) रखें ताकि आपके पीछे से एवं सामने आने वाले वाहन आपको देख सके।वाहन चलाते समय धैर्य बनाये रखें और ओवरटेक कतई न करें। वाईपर और डिफ्रास्टर को चलाकर विंडस्क्रीन साफ रखें। इसके लिये हल्का हीटर चलायें तथा ब्लोअर की हवा विंडस्क्रीन की ओर कर दे।वही अपनी खिडकी के शीशे पूरी तरह बन्द न रखें।उन्हें थोडा खुला रखें ताकि दिखायी न पडने वाले वाहनों की आवाज सुनकर उनकी उपस्थिति का ज्ञान हो सके।वाहन चलाते समय स्टीरियो या एफ एम को बन्द कर दें। इन दोनों अधिकारियों ने बताया कि कोहरे के कारण अक्सर दृष्टि भ्रम हो जाता है।गति धीमी रखते हुऐ सडक के बायें किनारे के सहारे चले।फोरलेन सड़क पर अपनी लेन में पड़ी पट्टियों के सहारे चलें।जहाँ डिवाईडर हो,वहाँ डिवाईडर के सहारे चले। दुर्घटना से बचने के लिए अपने वाहन से आगे एवं पीछे चल रहे वाहन से एक निश्चित दूरी बनाये रखे, तथा ब्रेक धीरे लगाये ताकि पीछे चल रहे वाहन को भी ब्रेक लगाने का पर्याप्त समय मिल सके।कभी कभी कोहरा थोडी–थोडी दूरी पर मिलता है।कोहरे से निकलने पर गति एकदम तेज न करें जब तक कि दूर तक स्पष्ट न दिखाई दे।अगर दिन में कोहरा हो तो दिन में भी हेडलाईट ऑन कर दें।अपने बाइक,हल्के व भारी वाहनों, रोडवेज बसों के पीछे लाल रेट्रोरिफ्लेक्टिव टेप लगवायें। व्यवसायिक वाहनों में आगे की ओर सफेद व पीछे की ओर लाल रेट्रोरिफ्लेक्टिव टेप लगा होना अनिवार्य है।ओवरटेक करते समय सड़क के बीच में खराब खड़े व सड़क किनारे पार्क किये गये वाहनों से सावधान रहें।

मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं - डा0 सुशील प्रकाश डायरेक्टर बलरामपुर चिकित्सालय

मृत्युंजय प्रताप सिंह

आज दिनांक 20/12/2024 को ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फोरम लखनऊ की तरफ बलरामपुर चिकित्सालय लखनऊ की ओ0पी0डी0 में एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान मदरसा नदवा तुल उलेमा के 70 छात्रों ने समाज और मानवता के लिए रक्त दान किया । इस रक्त दान शिविर में डॉ0 सुशील प्रकाश डायरेक्टर बलरामपुर चिकित्सालय , डॉ0 संजय तेवतिया सी0 एम0 एस0 बलरामपुर चिकित्सालय, डॉ0 हिमांशु चतुर्वेदी एम0 एस0 , डॉ0 विनोद एच0 गुप्ता इंचार्ज ब्लड बैंक और संस्था के सम्मानित सदस्य मौजूद रहे । इस अवसर पर डायरेक्टर बलरामपुर चिकित्सालय डा0 सुशील प्रकाश ने संस्था का उनके इस काम के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि रक्त दान करना जितने पुण्य का काम है उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता,इन छात्रों ने जो रक्त दान किया है उनका ये कार्य मानवता की मिसाल है । आज पूरे देश में लोग जाति और धर्म के नाम पर कुछ भी करने को तैयार हैं लेकिन रक्तदान से पीछे रहते हैं वहीं मदरसा नदवा तुल उलेमा के इन छात्रों ने जो रक्तदान किया है वो किसी न किसी जान बचाएगा और वो भी बिना जात और धर्म देखे । मेरा आशीर्वाद है कि इन छात्रों का भविष्य उज्जवल हो, और ये छात्र हमारे देश को और बुलंदी तक ले कर जाएं । हमारे देश में हर साल न जाने कितने ही लोग सिर्फ समय पर रक्त न मिल पाने की वजह से अपनी जान गँवा बैठते हैं ,और ये ऐसी चीज है जिसे किसी फैक्ट्री में बनाया नहीं जा सकता है । हमें सोचना चाहिए कि दुनिया के हर धर्म से बड़ा मानवता का धर्म है । वहीं डॉ0 संजय तेवतिया सी0 एम0 एस0 बलरामपुर चिकित्सालय ने कहा कि इन छात्रों ने रक्त दान कर के मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा किया है । आज हमारे समाज में इस तरह के काम बहुत कम हो गये हैं । आज हमें लोगों को रक्त दान के लिए ज़्यादा से ज़्यादा जागरूक करने की जरूरत है क्या पता आपके द्वारा दान किया गया रक्त आप के ही किसी अपने के काम आ जाये । ऐसे में संस्था का ये काम सराहनीय है । मदरसा नदवा तुल उलेमा के इन छात्रों का भी एक मात्र उद्देश्य मानवता की सेवा ही करना है । बाद में संस्था के कोऑर्डिनेटर शफीक चौधरी ने सब के सहयोग की प्रशंसा की और तमाम लोगों का उनके सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया । इस दौरान चिकित्सालय के कर्मचारीगण और संस्था के सदस्य गण मौजूद रहे ।

डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन यूपी ने 24 सूत्री मांगों को लेकर किया सीएमओ कार्यालय पर किए प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद इकाई के माध्यम से फार्मासिस्ट एसोसिएशन की 24 सूत्री मांगों को लेकर फार्मासिस्टों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय के समक्ष शुक्रवार को धरना प्रदर्शन करते हुए अपनी मांग को दोहराया। फार्मासिस्टों की मांग है ,कि उन्हें राजपत्रित पदों पर आधारित फार्मासिस्टों को योग्यता डिप्लोमा धारियों के भांति वेतनमान प्रदान किया जाए। फार्मेसिस्ट संवर्ग में अराजपत्रित पदों पर कार्यरत फार्मेसिस्ट को पद योग्यता एवं कार्यदायित्व के अनुरू समकक्षीय व तकनीकी डिप्लोमाधारी पंद धारको की भांति ग्रेड पे रू0 4600ध्–का स्थापन्न वेतनमान किया जाय, प्रदेश में कार्यरत समकक्षीय पदों के आधार पर चीफ फार्मेसिस्ट को वेतनमान 15600–39100 ग्रेड 5400/–का स्थापन्न वेतनमान प्रदान किया जाये, इसी कम में प्रभारी अधिकारी फार्मेसी को ग्रेड पे 6600/–का स्थापन्न वेतनमान, विशेष कार्यधिकारी फार्मेसी को ग्रेड पे रू0 7600/– का स्थापन्न वेळ तथा संयुक्त निदेशक फार्मेसी को ग्रेड पे रू0 8700/– का स्थापन्न वेतनमान प्रदान किया जाय,एलोपैथिक चिकित्सको की अनुपस्थिति में फार्मेसिस्टों को प्रदान किया जाने वाला प्रभार भत्ता रु 75,स्थान पर रू0 750 प्रतिमाह निर्धारित किया जाय।महानिदेशालय द्वारा प्रेषित प्रस्ताव के अनुसार फार्मेसिस्ट का पद नाम फार्मेसी अधिकारी एवं चीफ फार्मासिस्ट का पद नाम चीफ फार्मेसी अधिकारी किया जाय, विशेष कार्याधिकारी फार्मेसी का पद नाम बदल कर सहायक निदेशक फार्मेसी किया जाय।

फार्मेसी की शिक्षा देखते हुए फार्मेसिस्टों को प्राथमिक उपचार के साथ कुछ सीमित औषधियों का लिखने का अधिकार प्रदान किया जाय। प्रदेश के ग्रामीण चिकित्सालयों में फार्मेसिस्टों से ओ०पी०डी ली जाती है जिस कारण विधिक समस्याएं भी उत्पन्न हो जाती है। कई राज्यों में फार्मेसी की शिक्षा को,फार्मेसिस्टों को सीमित औषधियों का नुस्खा लिखने का अधिकार प्रदान किया गया है।फार्मेसिस्ट संवर्ग के विभिन्न पदों का पुनर्गठन करते हुए प्रत्येक मुख्य चिकित्साधिकारी के अधीन अधिकारी फार्मेसी, प्रत्येक जिला महिला चिकित्सालय में एक प्रभारी अधिकारी फार्मेसी एवं प्रत्येक उससे बड़े चिकित्सालयों में व अपर निदेशक के अधीन एक–एक विशेष कार्याधिकारी फार्मेसी तथा निदशक फार्मेसी के पद सृजित किये जाये।फार्मेसिस्ट के पद सृजन के मानक में संशोधन करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर दो तथा पर तीन फार्मेसिस्ट एवं दो चीफ फार्मेसिस्ट के पदों का मानक बनाया जाय।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, गोमती नगर, लखनऊ के पंद्रह छात्रों ने मॉलिक्यूलर लैब का भ्रमण किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीएसआईआर–जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत, सीएसआईआर– एनबीआरआई में सीएसआईआर मुख्यालय द्वारा ऑनलाइन आयोजित ष्वैज्ञानिक योग्यता मूल्यांकनष् पहल में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, गोमती नगर, लखनऊ के पंद्रह छात्रों और दो शिक्षकों ने भाग लिया द्य इस गतिविधि का उद्देश्य डीएनए आइसोलेशन के लिए बनायीं गयी ष्लैब/होमष् किट के द्वारा प्रयोगात्मक परीक्षण में भाग लेना था। इस अवसर पर छात्रों ने सीएसआईआर– आईजीआईबी, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की गई किट का उपयोग करके डीएनए आइसोलेशन किया एवं इससे सम्बंधित वैज्ञानिक अभिक्षमता परीक्षण में भाग भी लिया द्य इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा संस्थान की मॉलिक्यूलर लैब का भी भ्रमण किया गया जहाँ पर आधुनिक तकनीकी जैसे पालीमरेज चौन रिएक्शन, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी द्य इसके अतिरिक्त, छात्रों द्वारा संस्थान के अभिदर्शन का भी भ्रमण किया जहाँ उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया कार्यक्रम के बाद संस्थान में जिज्ञासा कार्यक्रम के नोडल पीआई डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समन्वय और प्रबंधन जिज्ञासा टीम के समर्पित सदस्यों द्वारा किया गया ।

अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण को लेकर समाजवादी मजदूर सभा का प्रदर्शन

पुलिस द्वारा होम आरेस्ट को तोड़ा,गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कुकड़ीपुर राजभवन मे पुलिस होम आरेस्ट को तोड़ते हुए से मंगदपुर तक समाजवादी मजदूर सभा के प्रदेश महासचिव अमित यादव के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण के लिए रैली निकाली। पूर्वांचल चौकी प्रभारी राहुल रंजन ने मौके पर पहुंचकर रैली को रोकने की कोशिश की और अमित यादव को नोटिस थमा दी। बावजूद इसके, लगभग 200 समर्थकों के साथ सभा नेता ने माल्यार्पण किया। रैली में अमित यादव ने संसद में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब पर की गई कथित टिप्पणी की निंदा करते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। सभा के दौरान भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए यादव ने कहा कि सरकार गरीबों और मजदूरों की अनदेखी कर पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। उन्होंने भाजपा के श्सबका विकासश के दावों को झूठा बताते हुए कहा कि यह सरकार केवल गरीबों को कुचलने का काम कर रही है। सभा में समाजवादी पार्टी ,कार्यकर्ता और ग्रामीणों ने सरकार विरोधी नारे लगाए। रैली में रघुराम, अजय यादव, बिंदु, दीपक, सुदर्शन, दयाराम, विशाल यादव और मधुकर समेत कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के कारण क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। चौकी प्रभारी ने रैली को गैरकानूनी बताते हुए आगे सख्त कार्रवाई की चेतावनी

दी है। वही अमित यादव ने कहा कि अगर ऐसा है तो हम समाजवादी लोग बाबा साहब के सम्मान में जेल जाने के लिए तैयार है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने दिया बयान, अपना बयान वापस लें गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस को भी घेरा

लखनऊ,(संवाददाता)। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर मचे बवाल के बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी बयान जारी किया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री अमित शाह से अपना बयान वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के अनुयायी अमित शाह को कभी माफ नहीं करेंगे और भाजपा की कोई भी चाल कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भी हमेशा डॉ. आंबेडकर का विरोध किया है। खुद बाबा साहेब ने भी दलितों को कांग्रेस से दूर रहने की सलाह दी थी। गृहमंत्री के बयान पर विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस नेता व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गृहमंत्री पर बाबा साहेब के अपमान का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है। वहीं, लखनऊ में भी जमकर प्रदर्शन हो रहे हैं। यहां पर सपा नेताओं व सपा की छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और गृहमंत्री अमित शाह के पुतले फूंके और पोस्टर जलाए। इसके पहले, बृहस्पतिवार को यूपी विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही सपा नेता व कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। सपा सदस्य विधानसभा में डॉ. आंबेडकर की फोटो लेकर पहुंचे थे। सदन की कार्यवाही के दौरान जमकर हंगामा होता रहा। हंगामे के बीच ही अनुपूरक बजट पास कर दिया गया और इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने अन्य सदस्यों से प्रश्न पूछने की अपील की लेकिन किसी ने भी सवाल नहीं पूछा। हंगामा न थमते देख सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

आपके भी बच्चे में है टालमटोल की आदत

लखनऊ,(संवाददाता)। क्या आप भी बच्चों की टालमटोल की आदत से परेशान हैं? आप इस व्यवहार को मनोविज्ञान की प्रसिद्ध संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (सीबीटी) से आसानी से बदल सकते हैं। लविवि के एक शोध में सामने आया कि 21 दिन में ऐसे लोगों में सकारात्मक बदलाव आ जाता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की शोधार्थी जया मिश्रा ने अध्ययन में पाया कि सीबीटी के 21 दिनों के सत्र में दिए गए परामर्श से टाल–मटोल और तर्कहीन विश्वासों से निजात पाया जा सकता है। अध्ययन में दो सौ छात्रों को शामिल किया गया। टालमटोल की समस्या से पीड़ित 23 छात्रों को यह थेरेपी दी गई। इससे उनके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आया। इसकी पुष्टि उनके अभिवावकों और मित्रों ने भी की। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष और शोध निर्देशक डॉ. अर्चना शुक्ला के मुताबिक, टाल–मटोल की आदत खुद को नुकसान पहुंचाती है। भारत में यह सभी आयु समूहों में पाया जाता है। इससे सबसे अधिक प्रभावित होने वाला समूह युवाओं का है। अल्बर्सन एट अल के 2022 में हुए सर्वेक्षण से सामने आया है कि मोबाइल फोन की लत, शारीरिक निष्क्रियता, कोविड के बाद छात्रों में टालमटोल की आदत बढ़ी है। डुरु और बाल्किस के 2017 में हुए शोध से पता चलता है कि 92: भारतीय छात्र टालमटोल करते हैं। उनमें से 62: अक्सर ऐसा करते हैं। इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। प्रो. अर्चना के मुताबिक, सीबीटी के परामर्श सत्रों में टालमटोल और तर्कहीन विश्वासों में उलझे छात्रों के नकारात्मक विचारों को सकारात्मक विचारों में बदलने का प्रयास किया गया। इसमें बच्चों को जो छेरेपी दी गईं उनमें प्रमुख– टालमटोल के व्यवहार से पीड़ित लोगों को तत्काल मनोवैज्ञानिक से संपर्क करना चाहिए। इससे समय रहते उनके व्यवहार और आदतों में परिवर्तन लाने का काम किया जा सकता है।

अंत्येष्टि संस्कार में शामिल हुए प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यालय में दी गई श्रद्धांजलि

लखनऊ,(संवाददाता)। कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पांडेय के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए गोरखपुर जा रहे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को प्रशासन ने रोक लिया। इस पर कांग्रेस नेताओं ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है। हम इसकी घोर निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे हाईवे पर पुलिस का तांडव जारी है। हालांकि, अजय राय अंतिम संस्कार में शामिल हुए। वहीं, लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभी का आयोजन किया गया। शोक सभा में राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पाण्डे, पूर्व सांसद एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय –पूर्व मंत्री सहित, सांसद, विधायक एवं नेता कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके पहले पुलिस टीम मामले की जांच के लिए बृहस्पतिवार सुबह कांग्रेस कार्यालय पहुंची। डीसीपी मध्य रवीना त्यागी के मुताबिक कांग्रेस दफ्तर के केयरटेकर के बयान दर्ज किए जाएंगे। सीसीटीवी फुटेज को जब्त किया जाएगा। प्रदर्शन का आह्वान करने वाले और इसमें शामिल लोगों से पूछताछ की जाएगी और सभी के बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके पहले बुधवार देर रात फोरेंसिक टीम कांग्रेस कार्यालय पहुंची। फोरेंसिक टीम ने यहां साक्ष्य संकलित किए। प्रभात के मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। यह भी जानकारी की जाएगी कि उनके साथ गोरखपुर से कौन–कौन लोग आए थे और प्रदर्शन के दौरान प्रभात के साथ कौन लोग थे। साक्ष्य संकलन के आधार पर जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रभात पांडेय की मौत के मामले में उनके चाचा विज्ञान खंड गोमतीनगर निवासी मनीष ने हुसैनगंज थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। मनीष के मुताबिक प्रभात एमिटी यूनिवर्सिटी के सामने पीजी में रहते थे। बुधवार शाम को 4रू15 बजे उनके पास कांग्रेस दफ्तर से फोन आया था। बताया गया कि आपके भतीजा कांग्रेस दफ्तर में दो घंटे से बेहोश पड़े हैं। मनीष ने फौरन अपने परिचित संदीप को प्रभात के पास कार्यालय भेजा। मनीष के मुताबिक संदीप ने उन्हें फोन पर बताया कि प्रभात के हाथ पैर ठंडे हो गए हैं। संदीप के दबाव बनाने पर कांग्रेस दफ्तर के कुछ लोग प्रभात को एक इनोवा गाड़ी से सिविल अस्पताल लेकर गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्रभात को मृत घोषित कर दिया। मनीष का कहना है कि प्रभात पीजी में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। प्रभात कांग्रेस कार्यालय कैसे पहुंचे, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। प्रभात को पूर्व में भी कोई बिमारी नहीं थी। आरोप है कि ऐसा लग रहा प्रभात के साथ कुछ अनहोनी हुई है और अज्ञात कारणों से उनकी हत्या की गई है। डीसीपी मध्य रवीना त्यागी के मुताबिक प्रथमदृष्टया डॉक्टरों के मुताबिक कोई भी जाहिरा चोट प्रभात के शरीर पर नहीं पाई गई है। वीडियोग्राफी के साथ पैनल के माध्यम से शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरों के हक पर डाका डाल रही है भाजपा सरकार

लखनऊ,(संवाददाता)। समाजवादी मजदूर सभा प्रदेश कार्यकरणी की ओर से मंगलवार को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की गई। मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव डॉ अमित यादव ने कहा कि भाजपा शासनकाल में मजदूरों के हक पर डाका डाला जा रहा है। समाजवादी पार्टी मजदूरों को एकजुट करके इस लूट को खत्म कराएगी। डॉ. अमित यादव ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन के बजाय देश को वन नेशन वन मजदूरी की जरूरत हैं। मोदी सरकार की खराब विदेश नीति के कारण प्रवासी मजदूरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता हैं। प्रदेश अध्यक्ष धनी लाल श्रमिक ने कहा कि मजदूर सभा हर प्रदेश में अलग अलग सेवा क्षेत्र के मजदूरों को एकजुट कर उनकी समस्याओं को लेकर आंदोलन शुरू करेगी। इस दौरान प्रशिक्षक के रूप में मौजूद पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन और पूर्व एम एल सी शशांक यादव ने मजदूरों के लिए बने कानून की जानकारी दी।। उनके क्रियान्वयन के तरीके बताएं। सभा के प्रदेश महासचिव प्रमोद पटेल ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी । वर्ष 2025 के कार्यक्रमों पर जोर देते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए वर्ष 2027 तक 1.8 करोड़ मजदूर को संगठन से जोड़ने की रणनीति बनाई। कार्यक्रम में शेषनाथ यादव , अखिलेश चौबे, हरिराम बागी, अजय कन्नौजिया , चंद्रकेश यादव, सुनील , राममिलन यादव , अजय मिश्रा, विनोद वर्मा, विमल यादव, आशीष यादव आदि लोग उपस्थित रहें।

प्लॉट में रखे कबाड़ में लगी आग, चपेट में आई झोपड़ी

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के चिनहट में बृहस्पतिवार सुबह देवा रोड स्थित प्लॉट में रखे कबाड़ में आग लग गई। घटना में एक झोपड़ी भी जल गई। दमकल कर्मियों ने दो गाड़ियों से एक घंटे में आग बुझा ली। असम के रहने वाले अकबर देवा रोड पर बाबा हॉस्पिटल के पास झोपड़ी में रहते हैं। वह कबाड़ का काम करते हैं। झोपड़ी के पास एक प्लॉट में उन्हीं का कबाड़ रखा हुआ था। बृहस्पतिवार सुबह करीब नौ बजे कबाड़ में आग लग गई। ऊंची लपटें और धुआं देख लोग आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। आग के विकराल होने पर अकबर की झोपड़ी भी चपेट में आ गई। फायर स्टेशन गोमतीनगर और इंदिरानगर से दो गाड़ियों के साथ पहुंचे दमकल कर्मी आग पर काबू पाने लगे। धुआं होने के कारण कर्मियों को सांस लेने में समस्या होने लगी। कड़ी मशक्कत कर एक घंटे बाद दमकल ने आग पूरी तरह से बुझा ली। लपटों की चपेट में आने से अन्य झोपड़ियों को बचा लिया गया। एफएसओ गोमतीनगर सुशील यादव के मुताबिक हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

एटीएम मशीन में पट्टी लगाकर भोलीभाली जनता का पैसा चोरी करने वाले 05 शातिर अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

लखनऊ। आईसीआईसीआई बैंक के प्रबन्धक/वादी मुकदमा गौरव महेन्द्र पुत्र पीएन महेन्द्र द्वारा 02 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध आईसीआईसीआई बैंक, विभवखण्ड शाखा के एटीएम मशीन में छेड़खानी कर ग्राहकों द्वारा निकाले जा रहे पैसे को बाधित करने व बाद में ग्राहकों के पैसों को चोरी करने का आरोप अंकित करते हुए थाना विभूतिखण्ड पर मु.अ.सं. 0371ध 2024 धारा 305 बीएनएस का अभियोग पंजीकृत कराया गया। जिसकी विवेचना उ.नि. अमरीश कुमार द्वारा सम्पादित की जा रही है। घटना के सफल अनावरण हेतु उच्चाधिकारीगण द्वारा 02 टीमें गठित की गयी। गठित टीम द्वारा अज्ञात व्यक्तियों की पतारसी सुरागरसी करते हुए घटनास्थल के आस–पास के सीसीटीवी फुटेज चेक किये गये। सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर की सूचना के आधार शातिर अभियुक्तगण जितेन्द्र, राजेश, हिमांशु, सैफ, अजय उपरोक्त को सहारा रेलवे ट्रैक के पास थाना क्षेत्र विभूतिखण्ड

से दिनांक 20.12.2024 को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 39 अदद एटीएम कार्ड, नगद 24000/– रुपये, तथा घटना में प्रयुक्त 11 कटी हुई प्लास्टिक पट्टी, 01 अदद ब्लेड व 01 अदद चार पहिया वाहन स्विफ्ट डिजायर UP72BJ1362 बरामद किया गया। फर्द बरामदगीधिगरफ्तारी के आधार पर अभियोग में धारा 3(5)/317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गयी। विवेचना में साक्ष्य संकलन की कार्यवाही प्रचलित है।

अपराध का तरीका व व्यवसायः

अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि हम लोग मौका देख एटीएम मशीन में छेड़खानी कर कैश निकालने के स्थान पर पहले से ही एक पट्टी लगाकर एटीएम मशीन के आसपास खड़े होकर नजर रखते हैं जैसे ही एटीएम मशीन में कोई व्यक्ति पैसा निकालता है उनका पैसा उस पट्टी पे रुक जाता है। जब वह परेशान होकर चले जाते हैं तो मौका देख लगायी गयी पट्टी को हम लोगों द्वारा हटाकर पैसा चोरी कर फरार हो जाते हैं। मिले पैसों से अपने शौक पूरा करते हैं। अभियुक्तों के विरुद्ध अन्य थानाध्इकाई व जनपद से आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

जिनका मन 'विद्वेष' से भरा है, वो 'देश' क्या चलाएंगे. .. अखिलेश यादव ने गृहमंत्री के बयान पर दी प्रतिक्रिया

लखनऊ,(संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग संविधान को अपना सबसे बड़ा विरोधी मानते हैं क्योंकि ये उनकी मंशा के खिलाफ ढाल बनकर खड़ा है। अखिलेश यादव ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि जिनका मन 'विद्वेष' से भरा है, वो 'देश' क्या चलाएंगे। आज जो हुआ वो सिर्फ बाबासाहेब का ही नहीं, उनके दिये संविधान का भी अपमान है। ये भाजपा की नकारात्मक मानसिकता का एक और चरम बिंदु है। देश ने आज जान लिया है कि भाजपाइयों के मन में बाबासाहेब को लेकर कितनी कटुता भरी है। भाजपाई बाबासाहेब के बनाये संविधान को अपना सबसे बड़ा विरोधी मानते हैं क्योंकि उनको लगता है कि वो जिस प्रकार गरीब, वंचित, दमित का शोषण करके, उनके ऊपर अपना प्रभुत्व कायम करना चाहते हैं, उनकी इस बद मंशा के आगे संविधान ढाल बनकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि ये घोर निंदनीय! घोर चिंतनीय!! घोर आपत्तिजनक है!!! उन्होंने कहा कि जन–जन कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा।

विधानसभा की गरिमा बरकरार रखनी चाहिए, सपा विधायक के निष्कासन के बाद बोले विधानसभा अध्यक्ष

लखनऊ,(संवाददाता)। सपा विधायक अतुल प्रधान को विधानसभा सत्र से निष्कासित करने के बाद यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि चाहे कोई भी हो विधानसभा की गरिमा बरकरार रखनी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ने गुरुवार को पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए यह बात कही। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन विधानसभा में स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे पर सत्तापक्ष व विपक्ष में तीखी नोक झोंक हुई। सपा सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर निशाना साधा तो उन्होंने भी करारा जवाब दिया। आरोप–प्रत्यारोप के बीच सपा सदस्य अध्यक्ष के आसन के सामने आकर नारेबाजी करने लगे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के खिलाफ असंसदीय नारे भी लगाने लगे। मना करने के बाद भी नारेबाजी करते रहने पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सपा विधायक अतुल प्रधान को पूरे सत्र के लिए निष्कासित कर दिया। अध्यक्ष के आदेश पर मार्शल विधायक को उठाकर सदन से बाहर ले गए। दरअसल, विधानसभा में सपा सदस्यों ने झांसी स्थित मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में नवजात शिशुओं की मौत और निजी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा उपकरणों से जुड़े मुद्दे उठाए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक जवाब देने के लिए खड़े हुए तो सपा सदस्यों ने टीका टिप्पणी शुरू कर दी। सपा विधायकों ने सवाल उठाते समय उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की ओर इशारा करते हुए कहा कि वे सीधा जवाब देने के बजाय आक्रोशित हो जाते हैं। आप भाला फेकेंगे और हम क्या रबर की गोलियां भी नहीं चलाएंरू डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि सदस्यों को यह पता होना चाहिए कि पीएचसी में इमरजेंसी नहीं होती है। उन्होंने सदन को गुमराह करने की बात कही और नेता प्रतिपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि आपके भी इस पर हस्ताक्षर हैं। सपा सदस्यों ने फिर टिप्पणी की तो उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आप भाला फेकेंगे और हम क्या रबर की गोलियां भी नहीं चलाएं? इसी बीच सपा विधायक महबूब अली ने उन्हें टोका तो चुटकी लेते हुए कहा कि अभी दवा ले लिए हैं क्या? इस पर सपा सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप और असंसदीय शब्दों का प्रयोग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। वे सदन से बहिर्गमन कर गए। कुछ देर बाद लौटे और बेल में धरना शुरू कर दिया। शोर शराबे के बीच उप मुख्यमंत्री स्वास्थ्य विभाग की उपलब्धियां बताते रहें। महाना बोले–आपकी विधायकी खत्म करा दूंगा हंगामे के बीच सपा विधायक अतुल प्रधान ने फिर टिप्पणी की तो विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने पहले समझाया और शांत होने का निर्देश दिया। वह नहीं माने तो उन्हें पूरे सत्र के लिए निष्कासित कर दिया। उन्होंने मार्शल को आदेश देते हुए कहा कि उठाकर बाहर फेंक दो। यहां तक कहा कि आपकी विधायकी खत्म करवा दूंगा। ऐसे में पांच मार्शल आए और विधायक को उठाकर बाहर ले गए।

अतिक्रमण से मुक्त हुआ 200 साल पुराना मंदिर

लखनऊ,(संवाददाता)। काशी और संभल के बाद बुधवार को गोंडा में भी ऐतिहासिक मंदिर को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। मुस्लिम बहुल इमामबाड़ा मोहल्ले में स्थित 200 वर्ष पुराने बड़ी संगत मंदिर परिसर पर अवैध कब्जा हो गया था। मंदिर न दिखे, इसके लिए चारों ओर टिनशेड लगवाकर वाहनों की पार्किंग बना ली गई। इसकी सूचना मिलने पर बुधवार को डीएम नेहा शर्मा पुलिस व प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर पहुंचीं। मंदिर के पूरे परिसर का जायजा लिया। इसके बाद जेसीबी मंगाकर अवैध कब्जे को हटाने का अभियान शुरू कराया। डीएम की मौजूदगी में करीब एक घंटे तक चले अभियान में मंदिर के बाहरी हिस्से से अवैध कब्जा हटवा दिया गया। साथ ही कब्जा करने वालों के साथ ही स्थानीय लोगों को हिदायत दी गई कि सभी अपने अतिक्रमण को स्वयं हटा लें। प्रशासन की सख्ती के बाद कुछ स्थानीय लोगों ने कब्जा हटाने में सहयोग भी किया। डीएम ने नगर मजिस्ट्रेट व नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को जिम्मेदारी दी कि मंदिर के एक इंच स्थान पर भी कब्जा न रहने पाए। शाम होने पर अतिक्रमण हटाने का अभियान रोक दिया गया। बृहस्पतिवार सुबह फिर से अभियान चलेगा। डीएम ने बताया कि मंदिर को पुराने स्वरूप में लाने की कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही सभी अवरोध समाप्त हो जाएंगे। मौके पर शांति व्यवस्था के लिए पुलिस बल मुस्तैद है। स्थानीय लोग पूरे सौहार्द से अतिक्रमण हटाने में सहयोग कर रहे हैं। शहर के इमामबाड़ा मोहल्ले के 200 वर्ष पुराने बड़ी संगत मंदिर परिसर में कुछ स्थानीय लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर टिनशेड लगवा लिया था। रास्ते में वाहन खड़े करने लगे थे। इससे मंदिर जाने का रास्ता अवरुद्ध हो रहा था। आसपास कबाड़ ढेर कर दिया गया था। कूड़ा–कचरा भी फैला रखा था। मंदिर के पुजारी और भक्तों ने जिलाधिकारी नेहा शर्मा से शिकायत की थी। जिसके बाद बुधवार को वह मौके पर पहुंची थीं। जिलाधिकारी ने कहा, मंदिर पर दोबारा किसी ने कब्जा करने की कोशिश की तो कड़ी कार्रवाई होगी। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मंदिर और उसके आसपास नियमित रूप से सफाई अभियान चलाया जाए। उन्होंने मंदिर की ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित रखने के लिए विशेष उपाय करने के निर्देश भी दिए।

द मिलेनियम स्कूल का वार्षिक समारोह धूमधाम से मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत के अध्यक्ष एवं कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज हमारे पौत्र युवान सिंह तोमर के विद्यालय द मिलेनियम स्कूल में वार्षिक समारोह के आयोजन में शामिल होने का मौका मिला। हमारे पौत्र और विद्यालय के विद्यार्थियों ने बहुत सुन्दर प्रस्तुति दी,, सभी नन्हें मुन्ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन के लिए परमात्मा से प्रार्थना,, प्रधानाचार्य ,सभी अध्यापकों और समस्त विद्यालय के कर्मचारियों ने उत्तम व्यवस्था की,, सभी को उत्तम कार्य करने की शुभ कामनाएं,, मैं मेरी धर्म पत्नी, पुत्र, पुत्र बधू,,बड़े पौत्र विहान सिंह तोमर ने वार्षिक समारोह में शामिल होकर विद्यार्थियों की प्रस्तुति का भरपूर आनंद लिया,,बहुत सुन्दर,,

गंगा की तीन धाराओं को एक धारा में प्रवाहित कर 'भगीरथ' बना सिंचाई विभाग

लखनऊ,(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिव्य और भव्य महाकुम्भ को आयोजित कराने के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने जो सफलता प्राप्त की है, वह भगीरथ प्रयास की याद दिलाती है। अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए घोर तपस्या करके भगीरथ मां गंगा को धरती पर लेकर आए थे। वहीं वर्तमान में विभिन्न कारणों से अपने प्राकृतिक स्वरूप से तीन धाराओं में बंटी मां गंगा को एक धारा में प्रवाहित करके सिंचाई विभाग ने भगीरथ की भूमिका निभायी है। प्रयागराज में शास्त्री ब्रिज से लेकर संगम नोज तक मां गंगा तीन धाराओं में विभाजित हो गई थीं, जिससे न केवल पवित्रता प्रभावित हो रही थी, बल्कि महाकुम्भ के आयोजन में भी कठिनाइयां आ रही थीं। ऐसे में दोबारा एक धारा में प्रवाहित कर मां गंगा को वास्तविक स्वरूप प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ को दिव्य–भव्य आयोजित कराने एवं श्रद्धालुओं को संगम पर सुगम स्नान की सुविधा उप लब्ध कराने के लिए व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिये थे। ऐसे में महाकुम्भ में आने वाले करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए संगम नोज पर तीन धाराओं में बह रहीं मां गंगा को एक धारा में प्रवाहित करने की रणनीति तैयार की गयी। इससे मां गंगा के तट पर ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं को एक साथ स्नान की सुविधा मिलने के साथ पहली बार तीन अलग–अलग जगह स्नान की जगह एक ही स्थान पर स्नान की सुविधा मिलेगी। मेले की सुचारू व्यवस्था के लिए गंगा नदी के प्रवाह को एकरूप करना बहुत आवश्यक था। शास्त्री ब्रिज से लेकर संगम नोज तक मां गंगा तीन धाराओं में बटी हुई थी, जिससे मेला क्षेत्र सीमित और अव्यवस्थित होता जा रहा था। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस चुनौती से निपटने के लिए मां गंगा की बायीं और दायीं धाराओं को एक प्रवाह में लाने की योजना बनाई गई। योजना को साकार करने के लिए आईआईटी गुवाहाटी के विशेषज्ञ टीम की मदद ली गई। सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर संगम क्षेत्र के मां गंगा प्रवाह के विस्तार के लिए तीन विशाल ड्रेजिंग मशीनों को लगाया गया है। शुरुआत में मां गंगा का तेज प्रवाह और ऊंचा जल स्तर इस कार्य में सबसे बड़ी बाधा साबित हो रहा था। इससे ड्रेजिंग मशीनों को तेज धारा में स्थिर रखना और नदी की दोनों धाराओं को बीच की धारा में मिलाना कठिन हो रहा था। इस पर शास्त्री ब्रिज के पास तीनों ड्रेजरों को अलग–अलग बिंदुओं पर लगाया गया। इसके साथ ही मेला क्षेत्र को विस्तार देने के लिए बालू की आवश्यकता थी। काम के दौरान मां गंगा की प्रबल धारा के कारण भारी–भरकम ड्रेजिंग मशीनें बार–बार अस्थिर हो रही थीं। डिस्चार्ज पाइप मुड़ जाते और मशीनों को नियंत्रित करना कठिन हो जाता। टीम ने इन चुनौतियों का सामना करने के लिए बड़े एंकरों और पॉटून ब्रिज का सहारा लिया। मोटे रस्सों का उपयोग कर ड्रेजरों को नदी के किनारों से स्थिर रखा गया। वहीं ड्रेजिंग कार्य तीन शिफ्टों में युद्धस्तर पर किया गया। जब तेज प्रवाह के कारण एक ड्रेजर का स्पड (समर्थन पिन) क्षतिग्रस्त हो गया और दूसरा किनारे की ओर धकेल दिया गया, तब भी टीम ने धैर्य नहीं खोया। उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन और टीम के दृढ़ संकल्प से कार्य लगातार प्रगति करता रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सलाह पर चौथे ड्रेजर को तैनात किया गया, जिससे कार्य की गति और गुणवत्ता में सुधार हुआ। अंततः अथक परिश्रम और समर्पण से गंगा की तीन धाराओं को एक प्रवाह में समाहित कर दिया गया। संगम क्षेत्र का सर्कुलेशन एरिया अब पहले से कहीं अधिक विस्तृत और सुव्यवस्थित है। वर्तमान में मां गंगा के एक धारा में प्रवाहित होने से मेला क्षेत्र को करीब 22 हेक्टेयर अतिरिक्त जगह मिली है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक साथ एक जगह पर स्नान कर सकेंगे। इस जगह को समतल करने के लिए पांच लाख मीट्रिक टन बालू की व्यवस्था की गयी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।